प्रतिवेदन

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2006-07

प्रायोजक : एप्को – भोपाल

.....

आयोजक

कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर

गुप्ता की चाल, भटेरा चौकी, बालाघाट(म.प्र.) 481 001

फोन – 07632 – 248585, 9425822228 ई मेल – cdcindia@rediffmail.com

1. संस्था का नाम एवम् पता :– कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर
पो. बा. 17, बी.सी.राय(गुप्ता की चाल)
भटेरा चौकी, बालाघाट
म.प्र. 481 001
फोन : 07632 – 248585
मोबाईल : 09425822228
ई मेल :– cdcindia@rediffmail.com

2. कार्यक्रम का स्वरूप एवम् संबद्ध समूह :–

कार्यक्रम का नाम	संबद्ध समूह
संगोष्ठी	ग्रामीण महिला पुरूष / पंचायत प्रतिनिधि
समूह बैठकें	ग्रामीण महिलाएँ
प्रर्दशन	ग्रामीण महिला पुरूष / पंचायत प्रतिनिधि
फिल्म प्रदर्शन	ग्रामीण समुदाय

3. क्षेत्र :– ग्रामीण
4. कार्यक्रम अवधि :– 6 दिन
   - जुलाई 22 से 27 तक
   - ग्राम – भंडेरी, करवाही और मेंडकी
5. संप्रेषण माध्यम :– हिन्दी, स्थानीय बोली
6. कार्यक्रम विशेषज्ञ

कार्यक्रम : ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर एक दिवसीय संगोष्टी स्थल भंडेरी दिनॉक : 22 जुलाई	कार्यक्रम अध्यक्ष	श्री राजू उइके सरपंच ग्रा.पं. भंडेरी
	मुख्य अतिथि	श्री एस.के. श्रीवास्तव शाखा प्रबंधक
	विषय विषेषज्ञ	श्री अमीन चार्ल्स
		श्री हेमंत पटले
		सुश्री ममता बैस
स्वयं सहायता समूहों के साथ विशेष बैठकें 23 जुलाई : मेंडकी 24 जुलाई : करवाही 25 जुलाई : भंडेरी	संदर्भ व्यक्ति	सुश्री ममता बैस अनिल बर्मन
प्रदर्शन 26 जुलाई स्थान : भंडेरी	संदर्भ व्यक्ति	श्री देवेश अग्रवाल संचार समन्वयक
अभियान समापन 27 जुलाई करवाही	संदर्भ व्यक्ति	श्रीमती अनिता कुमरे भू.पू. सरपंच ग्रा.पं. करवाही

7. शैक्षिक सामग्री

- ''राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान'' के दौरान संस्था द्वारा विषय से संबंधित उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री की छायाप्रति उपस्थित प्रतिभागियों के बीच वितरित की गयी।

8. आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

कार्यक्रम : एक दिवसीय संगोष्ठी

अभियान का प्रारंभ दिनॉक 22 जुलाई को एक दिवसीय संगोष्ठी के आयोजन के साथ किया गया, संगोष्ठी का विषय था **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और समग्र स्वच्छता में महिलाओं की भूमिका,** इस संगोष्ठी में संस्था द्वारा गठित 66 स्वयं सहायता समूहों की लगभग 123 महिलाओं ने भाग लिया, संगोष्ठी का आयोजन मुख्य रूप से ठोस अपशिष्ट क्या है और कैसे इसका प्रबंधन किया जाना चाहिए इस विषय पर प्रतिभागियों की क्षमतावृद्धि और व्यापक विचार विमर्श के लिए किया गया। मुख्यतः महिलाओं की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में क्या भूमिका हो सकती है इस विषय पर विषय विशेषज्ञों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये और जोर देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक महिला अपनी जिम्मेदारियों को समझ ले तो ग्राम अपने आप में स्वच्छ दिखायी देंगे और स्वच्छता का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से घर की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं।

गॉवों में मानव मल का उचित रूप से निपटारा एक बडी समस्या है यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह एक गंभीर चुनौती के रूप में हमारे सामने आने वाली है। पर्यावरण के प्रदूषण के साथ साथ सामाजिक पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। बाहर शौच जाने में सबसे अधिक महिलाओं को समस्याओं का सामना करना पडता है।

संगोष्टी में विचार व्यक्त करते हुए संस्था निदेशक श्री अमीन चार्ल्स ने मानव मल के उचित निपटान कैसे संभव हो सकता है पर समझ बनाते हुए बताया कि मानव के एक ग्राम मल में

- एक करोड वायरस
- दस लाख बैकटीरिया
- एक हजार परजीवी और
- परजीवियों के कम से कम 100 अंडे होते हैं।

और सोचे कि यदि मानव मल खुले में पडा हुआ है तो यह कितना खतरनाक है। किसी ना किसी रूप में यह हमारे मुख तक आता है और हमें बीमारी की ओर लेकर जाता है।

इस एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रयास किया गया कि पर्यावरण प्रदूषण में मानव के योगदान को समझें और प्रयास करें कि स्थानीय स्तर पर समस्या का निपटारा किया जा सके।

कार्यक्रम : समूह बैठकें

- दिनॉक 23 से 25 जुलाई के बीच ग्राम करवाही, मेंडकी और भंडेरी में ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया और ठोस अपशिष्ट क्या है और अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए क्या क्या किया जा सकता है।

विस्तृत चर्चा की गयी साथ ही ग्राम में फिल्म प्रदर्शन भी किया गया जिसके माध्यम से समझाया गया कि हमें किन छोटे छोटे व्यवहारों को अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम : प्रदर्शन

- दिनॉक 26 जुलाई 2007 को ग्राम भंडेरी में स्थानीय शाला के बच्चों औश्र स्वयं सहायता समूह की सदस्यों के साथ कम लागत के सोखपिट बनाने का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया और एक सार्वजनिक पेयजल स्रोत की सफाई की गयी जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया।

प्रदर्शन के पूर्व सभी बच्चों को अपने घर में एक सोखपिट बनाने के लिए तैयार किया और बताया गया कि सोखपिट बनाने से क्या लाभ हो सकते हैं। यह कहॉ कहॉ उपयोगी है और यदि नहीं बनाया जाता है तो क्या हानि हो सकती है।

कार्यक्रम : अभियान समापन

- 27 जुलाई 2007 को अभियान के समापन पर समापन कार्यक्रम का आयोजन ग्राम करवाही के पंचायत भवन में भूतपूर्व सरपंच श्रीमती अनिता कुमरे की अध्यक्षता में किया गया

इस अवसर पर ग्राम के समस्त स्वयं सहायता समूहों के सभी सदस्य, बच्चे और पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने प्रतिज्ञा ली कि आगामी एक वर्ष के अंदर ग्राम को निर्मलग्राम बनाने का प्रयास किया जावेगा इसकी शुरूआत घरों में सोखपिट बनाने से किया जावेगा सभी अपने घरों

के पानी का प्रबंधन और कचरे का निपटान व्यवस्थित रूप से करेंगे। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी कहा कि वे सभी मिलकर इस कार्य में योगदान देंगे।

अनुवर्ती गतिविधियॉं

- जिन गॉवों में पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन संस्था द्वारा किया गया है वहॉं के जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित किया गया है कार्यक्रम की निरंतरता बनी रहे इस हेतु कुछ ठोस कार्य करने की रणनीति बनाई जिससे एक अच्छा सुझाव सामने आया कि स्वयं सहायता समूहों के फेडरेशन को एक जिम्मेदारी सौंपी जावे कि वह अपनी मासिक बैठकों में प्रत्येक समूहों के साथ उनकी प्रगति के बारे में विचार करे और प्रगति का आंकलन भी करें साथ ही जिन महिलाओं के घरों में सोखपिट नहीं बना होगा उसे फेडरेशन ऋण नहीं देगा।

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान वर्ष 2006- 07

प्रभाव मूल्यांकन प्रपत्र

1. संस्था का नाम :– कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर

2. संस्था का स्वरूप :– सामाजिक संस्था

3. संपर्क व्यक्ति का नाम व दूरभाष क्रमांक :– अमीन चार्ल्स
   07632 – 248585
   मोबा. 09425822228

4. कार्यक्रम आयोजन की तिथि :– 22 से 27 जुलाई 2007

5. कार्यक्रम आयोजन स्थल
   (शहरी / कस्बाई / ग्रामीण) :– ग्रामीण

6. सहभागी संस्थाओं के नाम

(शासकीय)

- शिक्षा विभाग, भंडेरी संकुल
- पी.एच.ई.डी. बालाघाट

(अशासकीय)

- केयर बालाघाट
- श्री महावीर शिक्षा एवम् जन कल्याण समिति
- स्वयं सहायता समूह

(शैक्षणिक)

- शास.प्राथमिक शाला, भंडेरी
- शास. माध्यमिक बालक शाला भंडेरी
- शास. प्राथमिक शाला करवाही

7. कार्यक्रम से संबद्ध समूह

विद्यार्थी	शिक्षक	सामान्य जनता	सामाजिक कार्यकर्ता	जनप्रतिनिधि	ग्रामीण जनता
✓	✓	✓	✓	✓	✓

8. संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम

संगोष्ठी	कार्यशाला	शिविर	पदयात्रा	रैली	आमसभा	प्रदर्शन	प्रतियोगिता	शैक्षणिक सामग्री का विकास	नुक्कड़ नाटक	अन्य
✓	–	–	–	✓	–	✓	–	–	–	नाटक

9. आयोजित कार्यक्रम/कार्यक्रमों का विषय

कार्यक्रम	विषय
संगोष्ठी	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर महिलाओं की भूमिका
समूह बैठके	द्यरेलू ठोस अपशिष्ट और मानव मल का प्रबंधन
प्रदर्शन	सोखपिट प्रदर्शन
नुक्कड नाटक	पर्यावरण जागरूकता
प्रतियोगिता	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तरीके

10. कार्यक्रम में शामिल विशेषज्ञों का नाम एवं कार्यक्षेत्र

नाम	कार्यक्षेत्र
श्री अमीन चार्ल्स	सामाजिक
सुश्री ममता बैस	सामाजिक
श्री हेमंत पटले	सामाजिक
श्रीमती अनिता कुमरे	जन प्रतिनिधि, भू.पू.सरपंच

11. क्या आपके द्वारा कार्यक्रम मे जनप्रतिनिधि/स्वयंसेवी सस्थाओं का सहयोग लिया गया है यदि हॉ तो उसका विवरण लिखें

- कार्यक्रम में सहयोगी स्वयंसेवी संस्थाओं एवम् जनप्रतिनिधियों का विवरण –

स्वयं सेवी संस्थाएं	जन प्रतिनिधि
• श्री महावीर शिक्षा एवम् जनकल्याण समिति हट्टा • 66 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं • पलाश महिला संद्य	• सरपंच परसाटोला पंचायत • सरपंच करवाही पंचायत • पंच भंडेरी पंचायत

12. कार्यक्रम का संप्रेक्षण माध्यम

- (हिन्दी एवम् स्थानीय)

13. कार्यक्रम में वितरित शैक्षणिक सामग्री का विवरण

- घरेलू अपशिष्ट और मानवमल के प्रबंधन पर उपलब्ध सामग्री / जानकारी की छायाप्रति समस्त प्रतिभागियों को उपलब्ध करायी गयी।

14. अभियान से स्थानीय जनता पर पड़ने वाले प्रभाव

(अ) कार्यक्रम से लोगों की जुड़ने की अभिरूचि (साधारण / मध्यम / उत्तम ✓)

(ब) कार्यक्रम में सहभागी समूह (संख्या) महिला – 276 पुरूष – 115 बच्चे – 340

(स) क्या कार्यक्रम के बाद लोगों ने आपकी संस्था से संपर्क किया (हॉ ✓ / नहीं)

(द) यदि हां तो किस संदर्भ में तथा कितने व्यक्तियों ने – लगभग 180 लोगों ने

- शौचालय निर्माण हेतु – ✓
- जल निकायों की सफाई तथा सुरक्षा बाबत् – ✓
- संस्था से निर्मल ग्राम संबंधी जानकारी बाबत् – ✓
- फिल्म की सी.डी. प्राप्त करने बाबद – ✓
- सोखपिट बनाने हेतु – ✓
- शाला में सत्र लेने हेतु – ✓

15. मीडिया का सहयोग (समाचार पत्र / टेलीविजन / रेडियो)

- मीडिया का सहयोग सकारात्मक / सहयोगात्मक
- समाचार पत्र – समाचार पत्रों में कार्यक्रम का कवरेज

16. अनुवर्ती (फॉलोअप) कार्यक्रम

- संस्था पंचायत और जिला जल और स्वच्छता समिति के साथ तालमेल बनाकर कुछ गॉवों को निर्मल ग्राम बनाने हेतु प्रयास करेगी, शालाओं के साथ शालेय स्वास्थ्य पर निरंतर सत्रों का संचालन करेगी।

17. आपकी दृष्टि में उद्देश्य प्राप्ति एवं सफलता का आकलन (प्रतिशत)

- कार्यक्रम के अपने उददश्य में लगभग 80 प्रतिशत सफल रहा, विषय से संबंधित जानकारी जन सामान्य तक पॅहुचाने में कार्यक्रम सफल रहा। छात्रों, ग्रामीण महिला पुरूष, जन प्रतिनिधियों को विषय पर संवेदनशील बनाने में कार्यक्रम सफल रहा।

18. अभियान के बारे में आपके सुझाव एवं अनुभव

- एप्को द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश भर में संचालित इस अभियान का लाभ निश्चित रूप से पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को मिलता है, कार्यकम का बजट बढाकर इसकी गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। जिले स्तर पर किसी एक संस्था को समन्वय का कार्य सौंप कर बेहतर मॉनीटरिंग की जा सकती है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर एप्को के पास उपलब्ध अन्य तकनीकों पर संस्थाओं को प्रशिक्षण देना प्रभावी होगा।

दिनांक

संस्था प्रमुख के हस्ताक्षर

सील

अभियान के दौरान उपलब्ध करायी गयी संदर्भ शैक्षणिक सामग्री का नमूना

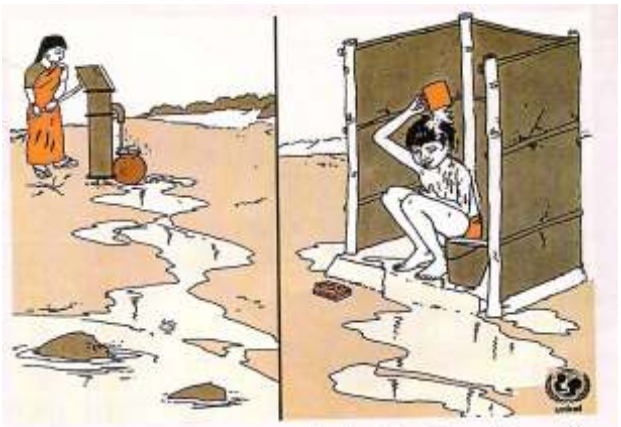

रूके हुए पानी में मच्छर बढ़ते है, जिनसे मलेरिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलती हैं।

- घर में रसोई का बेकार पानी बगीचे तक ले जाने के लिए नाली बनायें।
- बगीचे में परिवार के इस्तेमाल के लिए कुछ सब्जियाँ उगायें।
- यह ध्यान रखें कि नाली का ढ़ाल काफी हो, ताकि पानी आसानी से बह जाये।

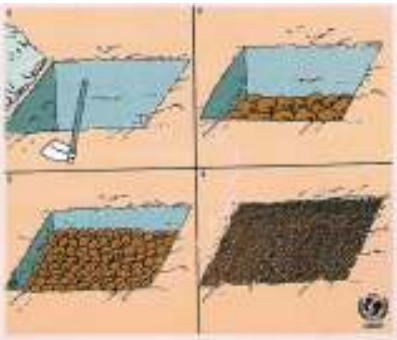

नोट पत्थर आसानी से उपलब्ध न हो तो उनके स्थान पर ईंटों के विभिन्न आकार के टुकड़े इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

- सोखता गड्ढा बनाना बहुत आसान है। आप इसे इस तरह बना सकते हैं –
- एक मीटर लम्बा, एक मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा गड्ढा खोद लें।
- गड्ढे को आधी गहराई तक 10 से 15 सेंटीमीटर व्यास के बड़े पत्थर से भर दें।
- इसके ऊपर गड्ढे के तीन–चौथाई हिस्से तक 5–10 सेंटीमीटर व्यास के छोटे पत्थर भर दें।
- गड्ढे के बाकी हिस्से में एक सेंटीमीटर व्यास के छोटे पत्थर भर दें।
- इस प्रकार सोखता गड्ढा तैयार हो जाएगा।

प्रत्येक हैन्डपम्प, नल या कुएं के चारों तरफ पक्का चबूतरा बनाकर उसके बेकार पानी को नाली द्वारा सोखते गड्ढे तक ले जायें।

- पानी की निकासी पास के सब्जी के बगीचे में भी की जा सकती है।
- सब्जियों की ज्यादा और अच्छी फसल उगाने के लिए पानी का लाभकारी उपयोग हो जाएगा।
- पानी की निकासी मवेशियों के पीने के पानी के लिए टंकी बना कर भी की जा सकती है।